बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १७ जून, २००७)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)	**सत्संग प्रवेश - १**	कुल प्राप्तांक : ७५

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - प्रथम आवृत्ति, जुलाई २०००

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''महापुरुष पृथ्वी पर से कभी नहीं जाते ।'' ११२

२. ''आप सभी का कल्याण करने के लिए वे आकर आप को दर्शन देंगे ।'' ३८

३. ''मैं तो आपको इतना ही देता हूँ, परंतु वर्णी आपको खूब देंगे ।'' १००

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. गोपाल योगी की आँखें अपने आप खुल गई । ३०

२. नीलकंठ ने भाजी तोड लाने की ना कहीं । ४९

३. श्रीपुर मठ के महंत आश्चर्यचकित हो गए । ११

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. तेलंगी ब्राह्मण का उद्धार । ३३

२. हिमालय के साथ मिलन । २३

३. चर्मवारि नहीं पीना चाहिए । ७०

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. बदरीनाथ का पूजारी नीलकंठ की किस प्रकार सेवा करता था ? १३

२. संयोगी साधु ने नीलकंठ की सेवा में किसको रखा ? ४३

३. तपस्वीयों ने नीलकंठ से क्या पूछा ? ७

४. रघुनंदन को सजीवन करके वर्णी ने क्या कहा ? ६

५. नीलकंठ द्वारा शालिग्राम पर चढाया गया जल कहाँ गया ? ६३

प्रश्न.५. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(४ गुण)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगवानदास को नीलकंठ के बायें चरण में कौन-से चिन्ह दिखाई दिए ? ६०

(१) ☐ त्रिकोण । (२) ☐ उर्ध्वरेखा । (३) ☐ कलश । (४) ☐ मीन ।

२. नीलकंठ ने किस प्रकार सेवकराम की सेवा की ? ५५

(१) ☐ केले के पत्तों की शैया बिछाई । (२) ☐ दस्त से सने हुए कपडे धोये ।

(३) ☐ भोजन पकाकर खिलाया । (४) ☐ हजार शिष्यों को सेवा का ढंग सिखाया ।

प्रश्न.६. निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(५ गुण)**

१. ..... में मैं आप से मिलूँगा ऐसा वरदान नीलकंठ ने वंशीपुर के राजा को दिया । १९

२. सूरत में नीलकंठ को ..... दिन तक उपवास हुआ । ६६

३. नीलकंठ ने वेणीराम को दर्शन दिए और ..... को सजीवन किया । ५

४. ..... ऋषि उँचे आसन पर बैठते थे और रामचंद्र भगवान उनके समीप नीचे बैठते थे । १०५

५. रामानंद स्वामी का जन्म सं. १७९५ में ..... दिन को हुआ था । ७८

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १७ जून, २००७; परीक्षा - सत्संग प्रवेश - १; माध्यम - हिन्दी; समय - सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

४०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केंद्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-१ - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''तुम यदि हमें महान व्यक्ति मानते हो तो मेरा कहा मानकर वहाँ जाने की जिद छोड दो और समज लो की तुम्हारे सारे दु:ख मेरी गद्दी के नीचे दबे हैं ।'' ६०

२. ''कमलशी वांझा की चारपाई को झीणाभाई ने अपने कंधो पर उठाया था और जितने कदम वे चले थे, उससे दुगुने कदम हम उनकी अर्थी अपने कंधो पर ऊठाकर चले हैं ।'' ३३

३. ''मैं तो उनसे डरता हूँ ।'' ३६

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(४ गुण)**

१. झीणाभाई घर से आती चिट्ठीयाँ पढते नहीं थे । ३०

२. लाडुदानजी के आनन्द की सीमा न रही । ३

प्रश्न.९. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. झीणाभाई को सत्संग का व्यसन । २७

२. देवानंद स्वामी का संगीत और उनका काव्य क्षेत्र में प्रदान । १७

३. ''धर्मपालन करता है, वही बडा है - श्रीहरि का जोबन से उपदेश । ३९

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४ गुण)**

१. शुकमुनि को श्रीजीमहाराज के कैसे दर्शन हुए ? २५

२. जीवुबा किसकी बेटी थी ? ४४

३. खैया की भ्रान्ति किसने किस तरह से दूर की ? ७

४. त्यागी की दीक्षा देकर जेठा भगत को कौन-सा नाम धारण करवाया ? ५१

प्रश्न.११. निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । **(५ गुण)**

विषय :- ब्रह्मानंद स्वामी की साहित्य सेवा । ११

१. छंद छप्पय पर उनका पूरा अधिकार था । **२.** मेरा शरीर स्थूल है, इतना टाट कम पडेगा । **३.** धाम में आने की जल्दबाजी नहीं करना । **४.** आज तो इन रचनाओं के जानकार बहुत कम हैं । **५.** अपनी कवित्व शक्ति के द्वारा गुजराती साहित्य को समृद्ध किया है । **६.** महाराज ने दर्शन देकर पत्थर की खान बतलाई । **७.** गुजराती के अलावा दूसरी भाषाओं में भी उनकी पद्य रचनाएँ हैं । **८.** देवानंद स्वामी और दूसरे कुछ संत उनकी सेवा में अखंड लगे ही थे । **९.** महाराज के स्वरूप के करीब आठ हज़ार कीर्तन उन्होंने बनाए हैं । **१०.** महाराज की सर्वोपरिता के प्रचार और प्रसार का काम पूरा करना । **११.** महाराज की आज्ञा के अनुसार मूली में मंदिर बनवाने की पहल की थी ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(४ गुण)**

१. एभल खाचर रामानंद स्वामी के शिष्य थे । ४५

२. महाराज के द्वारा दिए गए घी से निर्गुण स्वामी का दर्द दूर हो गया । ५४

३. स्वामी यज्ञप्रियदासजी 'मोटा स्वामी' के दूलार के नामसे पहचाने जाने लगे । ६५

४. जोबनपगी प्रतिदिन भोजन के समय महाराज की प्रसादी की भस्म साथ में रख लेता था । ४०

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। **(१० गुण)**

१. ''सभी को चैतन्यमूर्ति समजता हूँ'' - योगीजी महाराज की जीवन भावना ।

२. सुखी जीवन की चाबी - व्यसनमुक्ति ।

३. ''अडसठ तीरथ संत के चरण में '' - हरिभक्तों की तपश्चर्या और पदयात्रियों की विशिष्टता ।

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १५ जुलाई, २००७ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।

❋ ❋ ❋